गुब्बारे पर चीता

प्र. १) किसने किससे कहा वो लिखें।

अ) "मैं तो जरूर जाऊँगा, चाहे कोई छुट्टी दे या न दे।"
बलदेव ने सब लड़कों से कहा।

आ) आओ चलो आओ चार आने में आसमान की सैर करो।"
एक आदमीने सरकस देखने आए लोगोंसे कहा।

इ) मालूम होता है महीनो से इसे मलेरीया बुखार आ रहा हो।
बलदेव ने खुदसे कहा।

प्र. २) मुहावरोंका अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें।

अ) आपे से बाहर हो जाना - क्रोधित हो जाना
माँ ने खेलने जाने से मना करने के बाद सोनू आपे से बाहर हो गया।

आ) दिल काँप उठना - भयभीत होना
रास्ते में मौज करते हुए जाते वक्त मास्टरजी को सामने देख दिल काँप उठा।

इ) जान निकली जाना - परेशान होना
परिक्षा के समय सभी बच्चोंकी जान निकलती है।

ई) हाथ - पाँव फुलना - घबरा जाना
सामने खड़े शेर को देख बलदेव के हाथ - पाँव फुल गए।

उ) होश उड़ जाना - डर जाना
शेर की चोरी की खबरे सुनकर मेरे होश उड़ जाते है।

प्र. ३) एक - एक वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) मास्टरजी ने सभी लड़को को कौनसी सलाह दी थी?

मास्तरजी ने बच्चों को सरकस ना जाने की सलाह दी थी।

आ) लड़कों का मन कहा लगा हुवा था?
लड़कों का मन सरकस में लगा था।

इ) बलदेव सबसे पीछे क्या कर रहा था?
बलदेव सबसे पीछे बैठकर शेर की तसवीर खींच रहा था।

ई) सभी लड़के मास्टर के साथ कहाँ गए थे?
सभी लड़के मास्टर के साथ गेंद खेलने गए।

उ) बलदेव का दिल क्यों काँप गया?
चीता पिंजरे से निकलकर बलदेव की तरफ दौड रहा था। इसीलिए बलदेव का दिल काँप गया।

ऊ) गुब्बारा नीचे कैसे आता है?
गुब्बारे का मुँह खोल देने से गैस निकल जाती है और गुब्बारा निचे आता है।

प्र.५) दिए गए वाक्य सही है या गलत वह लिखें।
अ) मास्तरजी ने लड़को को सरकस में जाने की सलाह दी। गलत
आ) बलदेव बड़ा जिद्दी था। सही
इ) सरकस का इश्तिहार बड़ा आकर्षक था। सही
ई) शनीवार को लड़के मास्तर के साथ सरकस गए थे। गलत
उ) शेर पिंजरे से निकलकर बलदेव की तरफ आ रहा था। सही
ऊ) गुब्बारा जैसे जैसे उपर आ रहा था वैसे चीते की जान निकली जा रही थी। सही
ए) चीता बलदेव के साथ दरिया में गिर पड़ा गलत
ऐ) गुब्बारा बड़े जोरसे गिरने लगा। सही

प्र.५) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

अ) 'आइए और तमाशे का आनंद उठाइए।

आ) लड़कों का मन तो सरकस में लगा हुवा था।

इ) बलदेव ने बड़ी मुश्किल से कुछ पैसे जमा किए थे।

ई) मगर और लड़के इतने साहसी न थे।

उ) मालूम होता है महीनों से इसे मलेरिया बुखार आ रहा हो।

ऊ) इधर से चीता गुब्बारे की तरफ दौड़ा।

ए) वह गुब्बारा उड़ाने के लिए बिल्कुल तैयार था।

ऐ) वह एक बार घंटाघर की मीनार पर चढ़ा था।

ओ) उसने एकदम उसका मुँह खोल दिया और गुब्बारा बड़े जोर से गिरने लगा।

औ) फिर तो वह रस्सी छोड़कर दरिया में कूद पड़ा और तैरकर निकल आया।